An E-News Letter of

DEVI Sansthan

TRANSFORMATION IN EDUCATION

dignityeducation.org
DIGNITY EDUCATION VISION INTERNATIONAL
DEVI Sansthan

Lucknow : November - 2025 Issue - 05

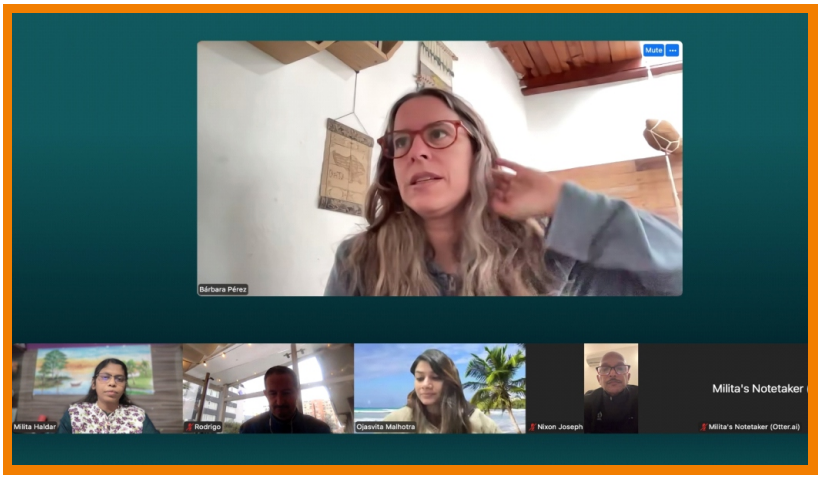

ALfA (Accelerating Learning for All) दृष्टिकोण पर ऑनलाइन प्रस्तुति

(Barefoot College Guatemala) ALfA (सबके लिए सीखने में तेजी लाना) दृष्टिकोण पर एक ऑनलाइन प्रस्तुति बेयरफुट कॉलेज ग्वाटेमाला को दी गई, जिसमें सहयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए कंट्री डायरेक्टर बारबरा पेरेज़ फेलिस ने भाग लिया। बारबरा पेरेज़ और निक्सन जोसेफ ने तत्काल अगले कदमों पर सहमति व्यक्त की: एक समझौता ज्ञापन (MoU) को अंतिम रूप देना। जनवरी 2026 की छुट्टियों को ध्यान में रखते हुए एक प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (Training-of-Trainers - ToT) की शुरुआत की योजना बनाना। ToT (प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण) का मार्ग, ओजस्विता मल्होत्रा ने ToT मार्ग की रूपरेखा प्रस्तुत की: मास्टर सत्रों से शुरुआत, कैस्केड प्रशिक्षण (cascade training) लाभार्थी समूहों के साथ क्षेत्र कार्यान्वयन (field implementation) इसका उद्देश्य मापने योग्य कक्षा-स्तरीय अपनाने (measurable classroom uptake) को सुनिश्चित करना है। ALfA शिक्षाशास्त्र (Pedagogy) मिलिता हल्दर ने ALfA शिक्षाशास्त्र का परिचय दिया, जिसमें निम्नलिखित पर ज़ोर दिया गया: ज्ञात से अज्ञात की ओर सीखना। तेजी से मूलभूत कौशल (rapid foundational skills)। विविध समुदायों के लिए उपयुक्त बहुभाषी-बाय-डिज़ाइन (multilingual-by-design) ढाँचा। साझेदारी की अग्रिम योजना टीम निम्नलिखित पर सहमत हुई: समझौता ज्ञापन का मसौदा प्रसारित करना। छुट्टियों के बाद ToT की तारीखें निश्चित करना। ज़रूरत के अनुसार स्पेनिश और स्वदेशी भाषाओं में संदर्भ-विशिष्ट सामग्री तैयार करना। इस साझेदारी का लक्ष्य स्थानीय संस्कृति, भाषा और सामुदायिक नेतृत्व का सम्मान करते हुए बुनियादी साक्षरता और अंकज्ञान (foundational literacy and numeracy) में तेजी लाना है। क्या आप इन कदमों या ALfA दृष्टिकोण के बारे में अधिक जानकारी जानना चाहेंगे?

जिला शिक्षा अधिकारी करीमनगर श्री श्रीराम मोंडैय्या और देवी संस्थान के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसके तहत ALfA (Accelerating Learning for All) कार्यक्रम को करीमनगर जिले के चार मंडलों में लागू किया जाएगा। शैक्षणिक वर्ष 2026–27की शुरुआत में प्रारंभ होगा और करीमनगर, गंगाधर, कोठापल्ली और तिम्मापुर मंडलों के सभी स्कूलों को कवर करेगा—कुल 130 स्कूल, जिनमें 6,350 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। कार्यक्रम का मुख्य फोकस कक्षा 1 से 5 तक है, जिसमें तेलुगु और अंग्रेज़ी में आधारभूत साक्षरता तथा आधारभूत संख्यात्मक कौशल (गणित) शामिल हैं।

यह साझेदारी ALfA की बच्चा-नेतृत्व, गतिविधि-आधारित, जोड़ी में सीखने वाली शिक्षण-पद्धति के माध्यम से FLN (Foundational Literacy & Numeracy) परिणामों में तेजी लाने का लक्ष्य रखती है। इसके अंतर्गत सरल कक्षा दिनचर्या, कम लागत वाले शिक्षण-सामग्री और निरंतर प्रारूपिक मूल्यांकन को एकीकृत किया जाएगा। स्कूल टीमों को समय सारिणी, सुविधा प्रदान करने, और निगरानी के लिए संरचित सहयोग प्राप्त होगा, ताकि कार्यक्रम का

दैनिक क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके और प्रथम टर्म के भीतर मापनीय प्रगति दिखाई दे।

यह जिला-स्तरीय पहल प्रारंभिक कक्षाओं में उत्कृष्टता और समान गुणवत्ता वाली शिक्षा के प्रति करीमनगर की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, तथा इन चार मंडलों को तेज़, विस्तार योग्य आधारभूत सीखने का एक मॉडल बनाने की दिशा में अग्रसर करती है।

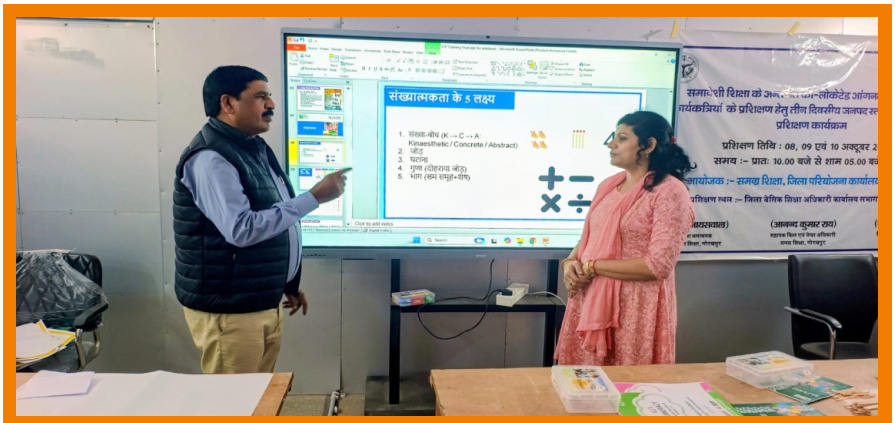

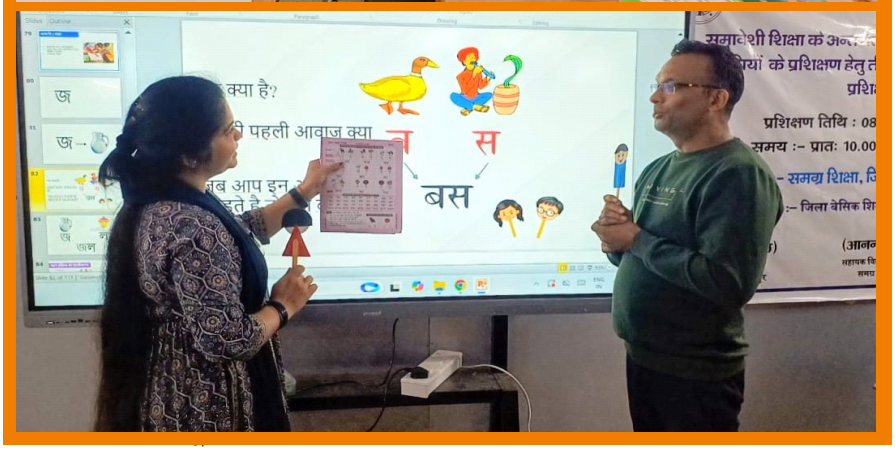

शिक्षा अधिकारी के सभागार में हुआ। सत्रों का संचालन देवी संस्थान के देवेश पटेल और शुभंकर दे ने किया, जबकि ALfA के इस सिद्धांत के अनुरूप कि प्रशिक्षक एक उत्प्रेरक होता है जो प्रैक्टिशनर नेतृत्व को सक्रिय करता है, कई गतिविधियों का नेतृत्व स्वयं शिक्षकों ने संभाला।

जहाँ कक्षा में ALfA के अंतर्गत सीखना बाल-नेतृत्व पर आधारित होता है—जोड़ी में कार्य, प्रश्न पूछने, और तीव्र आधारभूत साक्षरता तथा संख्यात्मक कौशल पर आधारित—वहीं प्रशिक्षण को जानबूझकर शिक्षक-नेतृत्व रखा गया, ताकि शिक्षकों में संचालन कौशल विकसित हो, दिनचर्या का मॉडल प्रस्तुत किया जा सके, और स्कूल टीमों को कार्यान्वयन की बुनियादी बातों पर संरेखित किया जा सके।

प्रतिभागियों ने कई ALfA माइक्रो-रूटीन का अभ्यास किया, जैसे—पहले दिन का डिकोडिंग अभ्यास, पीयर-पेयर प्रोटोकॉल, त्वरित प्रारूपिक मूल्यांकन, और दैनिक ALfA पीरियड्स के लिए समय-सारिणी की योजना बनाना। साथ ही उन्होंने स्मार्ट-क्लास टूल्स का उपयोग करके संक्षिप्त पाठ, और साक्ष्य संग्रह की रणनीतियों को भी सीखा।

दोनों दिनों में पूर्ण उपस्थिति, और सुचारु समन्वय के साथ प्रशिक्षण का समापन हुआ। शिक्षक-नेता उत्साहित होकर लौटे —ताकि कक्षाओं में बच्चे सीखने का नेतृत्व करें, और शिक्षक प्रत्येक विद्यार्थी की तीव्र प्रगति को कुशलतापूर्वक संचालित कर सकें।

पूंछ ज़िले, जम्मू और कश्मीर में "ALfA" के क्रियान्वयन हेतु एक "एमओयू" पर हस्ताक्षर किए गए हैं। संयुक्त निदेशक (JSK), स्कूल शिक्षा, जम्मू के कार्यालय ने मुख्य शिक्षा अधिकारी (CEO) पूंछ को निर्देश दिया है कि वे "DEVI संस्थान" के साथ सहयोग करते हुए जिलेभर में "ALfA (Accelerating Learning for All)" कार्यक्रम लागू करें, जो "NEP 2020" और "FLN लक्ष्यों" के अनुरूप है।

इस निर्देश के बाद CEO पूंछ ने DIET पूंछ में आधारित जागरूकता कार्यक्रम के लिए प्रत्येक प्राथमिक/मध्य विद्यालय से एक-एक शिक्षक को नामित करने के आदेश जारी किए, ताकि स्कूल ALfA क्रियान्वयन के लिए पूरी तरह तैयार हों और परिणामों की "डेटा-आधारित निगरानी" सुनिश्चित की जा सके।

यह साझेदारी पूंछ के सरकारी विद्यालयों में ALfA पद्धति को लागू करने के लिए औपचारिक सहयोग स्थापित करती है, जो जम्मू डिवीज़न के अन्य ज़िलों में देखे गए "बेहतर कक्षा सहभागिता", "शिक्षक प्रेरणा", और "आधारभूत सीखने के सुधार" के प्रमाणों पर आधारित है।

प्रशासनिक अनुमोदन प्राप्त होने के बाद और नियोजित समय पर शिक्षक जागरूकता कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा होने के साथ, यह एमओयू संरचित ALfA समय-सारिणी, कक्षा दिनचर्या, और निरंतर प्रारूपिक मूल्यांकन के मार्ग को सुगम बनाता है—जिससे पूंछ जिले में प्रत्येक बच्चे के लिए साक्षरता और संख्यात्मक दक्षता को तेज़ी से बढ़ाया जा सके।

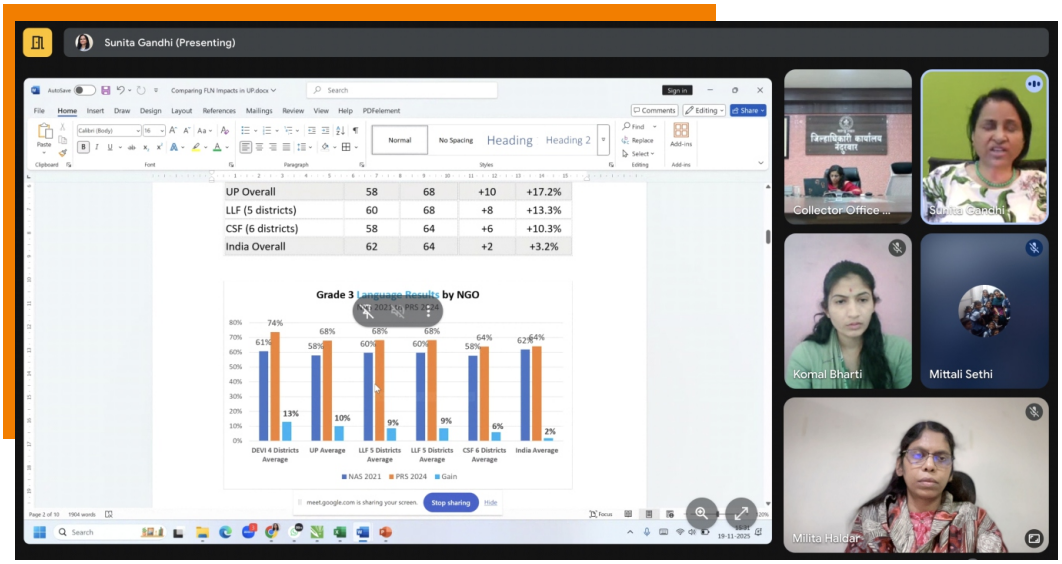

नंदूरबार के ALfA पायलट का उत्कृष्ट परिणामों के साथ समापन हुआ है, जिसमें बेसलाइन से एंडलाइन तक उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई और ट्रीटमेंट स्कूलों ने कंट्रोल स्कूलों की तुलना में स्पष्ट बढ़त दिखाई—जो यह मजबूत प्रमाण देता है कि ALfA आधारभूत सीखने में तेजी लाने में अत्यंत प्रभावी है।

हाल ही की समीक्षा बैठक में डॉ. सुनीता गांधी और देवी संस्थान की टीम ने पायलट की प्रगति रिपोर्ट जिलाधिकारी मितली सेठी और CEO जिला परिषद नमन गोयल को प्रस्तुत की, जिसमें विस्तृत प्रस्तुति के माध्यम से मापनीय सुधारों को प्रदर्शित किया गया। DM और CEO दोनों ने इस प्रभाव की सराहना की और आगे की दिशा को स्वीकृति दी, साथ ही जिले में ALfA कार्यक्रम को व्यापक स्तर पर लागू करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया।

योजना के अनुसार होने वाला यह विस्तार पायलट में सिद्ध की गई प्रभावी प्रथाओं—जोड़ी में सीखना, आनंदमय गतिविधियाँ, त्वरित साक्षरता और संख्यात्मक दिनचर्या, तथा सरल प्रारूपिक मूल्यांकन—पर आधारित होगा, ताकि हर स्कूल तेज़ सीखने की गति को निरंतर बनाए रख सके। नेतृत्व की स्वीकृति और डेटा-आधारित स्पष्ट मार्ग के साथ, नंदूरबार अब सफल पायलट से जिलेव्यापी क्रियान्वयन की ओर बढ़ने के लिए तैयार है, जिससे अधिक से अधिक बच्चे समय पर आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मक दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।

पूंछ ज़िले, जम्मू और कश्मीर में ALfA (Accelerating Learning for All) कार्यक्रम के लिए बेसलाइन मूल्यांकन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। यह मूल्यांकन मुख्य शिक्षा अधिकारी (CEO) पूंछ द्वारा जारी उन निर्देशों के अनुरूप किया गया, जिनका उद्देश्य सरकारी स्कूलों में ALfA को लागू करना और प्राथमिक स्तर के शिक्षकों को इसकी कार्यान्वयन रणनीतियों के प्रति संवेदनशील बनाना था।

यह प्रक्रिया देवी संस्थान की टीम द्वारा ज़ोनल एजुकेशन ऑफिसर के समन्वय में संचालित की गई। जिले द्वारा जारी परिपत्रों के अनुसार 4–8 नवम्बर 2025 के बीच विभिन्न स्कूलों में निर्धारित समय-सारिणी के तहत स्कूल-वार दौरे तथा मूल्यांकन-cum-सेंसिटाइजेशन आयोजित किए गए, जिनमें संस्थान प्रमुखों और स्टाफ की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई।

बेसलाइन में जिले के प्रतिनिधि स्कूल शामिल थे, जैसे—HS Banwat, GPS Moti Nagar, GMS Kamsar, GMS Girls City Poonch, MS Sola Jugal, MPS Sail, PS Biaran, MS Dhokrri, MS Bagaldara, और MS Shien Chunga। यह मूल्यांकन ALfA रोल-आउट से पूर्व प्राथमिक स्तर पर आधारभूत सीखने और स्कूल की तैयारी का आकलन करने के अधिदेश के अनुरूप था।

यह पूरी प्रक्रिया CEO द्वारा पहले जारी उस संचार पर आधारित थी, जिसमें 29 अक्टूबर 2025 को DIET पूंछ में शिक्षक सेंसिटाइजेशन आयोजित करने का कार्यक्रम तय किया गया था—जिससे कक्षा-स्तरीय क्रियान्वयन और डेटा-आधारित निगरानी की बुनियाद रखी जा सके। अब बेसलाइन डेटा उपलब्ध होने के साथ, स्कूल ALfA की दिनचर्याओं को आरंभ करने, शुरुआती स्तरों के मुकाबले प्रगति को ट्रैक करने, और क्रियान्वयन के दौरान निरंतर सुधार की रिपोर्ट करने की स्थिति में हैं।